

by order for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

21. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, ex-servicemen and other special categories of persons, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

[No. 5/87 (F. No. 27/13/86-Ad-IC)]

A. K. SINHA, Desk Officer

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1987

सा. का. नि. 169:—चाय (संशोधन) नियम, 1986 का एक प्रारूप, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 49 की उपधारा (1) की अपेक्षाानुसार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 845, तारीख 22 सितम्बर, 1986 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 4 अक्टूबर, 1986 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त राजपत्र, 4 अक्टूबर, 1986 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

अभी तक आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 49 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम चाय (संशोधन) नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. चाय नियम, 1954 में, नियम 38 में, "ऐसी प्रत्येक संविदा के लिए जो पांच वर्ष से अधिक की अवधि के लिए या जिसमें 3,00,000 रुपये से अधिक व्यय अंतर्बलित है" शब्दों और अंकों के स्थान पर "ऐसी प्रत्येक संविदा के लिए जिसमें बीस लाख रुपये से अधिक व्यय अंतर्बलित है" रखे जाएंगे।

[फा. सं. के-11012(3)/85-आगान 'क']

अशोक कुमार, उप सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 2nd March, 1987

G.S.R. 169.—Whereas a draft of the Tea (Amendment) Rules, 1986 was published, as required by sub-section (1) of section 49 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), in the

Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 4th October, 1986 in the Ministry of Commerce No. G.S.R. 845, dated the 22nd September, 1986, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 4th October, 1986;

And whereas the objections and suggestions have not been received so far;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 49 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. (1) These rules may be called the Tea (Amendment) Rules, 1987.

(2) These shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Tea Rules, 1954, in rule 38, for the words and figures "extends over a period of more than five years or involves expenditure in excess of Rs. 3,00,000", the words "involves expenditure in excess of rupees twenty lakhs" shall be substituted.

[F. No. K-11012(3)/85-Plant 'A']

ASHOK KUMAR, Dy. Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1987

सा. का. नि. 170 : राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 309 के के परन्तु द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (वर्ग "ग" लिपिकीय पद) भर्ती नियम, 1983 में और आगे संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाए जाते हैं, यथा :—

1. (1) ये नियम भारतीय भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (वर्ग "ग" लिपिकीय पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1987 कहलाएंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (वर्ग "ग" लिपिकीय पद) भर्ती नियम, 1983 की अनुसूची में—

(1) सहायक के पद से संबंधित क्रम संख्या 2 के मामले कलम 11 में वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"उच्च श्रेणी लिपिक प्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले उच्च श्रेणी लिपिकों में से 100% पदोन्नति द्वारा।"

(2) कलम 13 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"वर्ग "ग" विभागीय पदोन्नति समिति में (पदोन्नति एवं स्थाईकरण मामलों पर विचार करने हेतु) निम्नलिखित शामिल होंगे :—

1. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के उप महानिदेशक अथवा निदेशक—अध्यक्ष

2. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का कोई प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य

3. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुख्यालय अथवा क्षेत्रीय/प्रभागीय कार्यालय, अहां विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक होती है, में स्थित केन्द्र सरकार के किसी अन्य विभाग का 1100-1600 रु. अथवा उससे ऊपर के वेतनमान वाला कोई अधिकारी।"

—सदस्य

[फा. सं. ए-12018/5/85-आन-2]

बी. दास गुप्ता, निदेशक